नईदुनिया



# चौथे चरण के 5वें दिन 11 अभ्यर्थियों ने दाखिल किए 15 नामांकन

भोपाल (काप्र)।

**मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार चौथे चरण के लिये नाम निर्देशन-पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया जारी है।**

चौथे चरण के लिये 5वें दिन मंगलवार को 11 अभ्यर्थियों ने 15 नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत किये। अब तक 39 अभ्यर्थियों द्वारा 62 नाम निर्देशन-पत्र दाखिल किये जा चुके हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि चौथे चरण के लिये 5वें दिन 23 अप्रैल को लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-22 उज्जैन (अजा) में 2 अभ्यर्थियों द्वारा 3 नाम निर्देशन पत्र, क्रमांक-23 मंदसौर में एक अभ्यर्थी द्वारा एक नाम निर्देशन पत्र, क्रमांक-24 रतलाम (अजजा) में 2 अभ्यर्थियों द्वारा 3 नाम निर्देशन पत्र, क्रमांक-25 धार (अजजा) में एक अभ्यर्थी द्वारा 2 नाम निर्देशन पत्र, क्रमांक-26 इंदौर में 2 अभ्यर्थियों द्वारा 3 नाम निर्देशन-पत्र, क्रमांक-27 खरगौन (अजजा) में एक अभ्यर्थी द्वारा एक नाम निर्देशन-पत्र एवं क्रमांक-28 खण्डवा में 2 अभ्यर्थियों द्वारा 2 नाम निर्देशन-पत्र दाखिल किये गये। चौथे चरण के लोकसभा संसदीय क्रमांक-21 देवास (अजा) में आज किसी भी अभ्यर्थी द्वारा कोई भी नाम निर्देशन-पत्र दाखिल नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि नाम निर्देशन-पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि गुरूवार, 25 अप्रैल है। इसके अगले दिन शुक्रवार, 26 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। नाम निर्देशन-पत्र दाखिल कर चुके प्रत्याशी सोमवार, 29 अप्रैल तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। चौथे चरण के लिए सोमवार, 13 मई को मतदान होगा।

### दूसरे चरण के मतदान के लिए आज शाम 6 बजे से बंद होगा प्रचार

लोकसभा निर्वाचन के दूसरे चरण में प्रदेश के जिन 6 लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में शुक्रवार 26 अप्रैल को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होना है, वहां पर 24 अप्रैल की शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार बंद हो जायेगा।

श्री राजन ने बताया कि संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में मतदान समाप्ति के लिये निर्धारित समय के 48 घण्टे से पहले से चुनाव प्रचार बंद करने का प्रावधान है। प्रचार-प्रसार समाप्त होने की समय-सीमा के बाद बाहरी क्षेत्र के व्यक्तियों को, जो उस लोकसभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता नहीं हैं, उन्हें वह निर्वाचन क्षेत्र छोड़ना होता है। इस हेतु सघन निगरानी अभियान चलाया जाता है। दूसरे चरण में मध्यप्रदेश के लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-6 टीकमगढ़ (अजा), क्रमांक-7 दमोह, क्रमांक-8 खजुराहो, क्रमांक-9 सतना, क्रमांक-10 रीवा एवं क्रमांक-17 होशंगाबाद में 26 अप्रैल को मतदान होना है।

## सी-विजिल एप पर उल्लंघन की 3 हजार 757 शिकायतें

श्री राजन ने बताया कि नागरिकों से सी-विजिल एप पर आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। 16 मार्च से 23 अप्रैल तक आचरण संहिता उल्लंघन की 3 हजार 757 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है।

श्री राजन ने बताया कि मुख्य रूप से ग्वालियर में 381, सागर में 295, उज्जैन में 257, दमोह में 224, मुरैना में 184, राजगढ़ में 177, रीवा में 166, इंदौर में 159, सीहोर में 119, खरगौन में 112, नरसिंहपुर में 109, कटनी में 106 और सतना जिले में 104 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। प्रदेश के अन्य जिलों से भी इस प्रकार की शिकायतें मिली हैं। श्री राजन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप से कर सकते हैं।

### सौ मिनट में होगी कार्रवाई

श्री राजन ने बताया कि नागरिक को आचरण संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा। शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट में कार्रवाई की जाएगी। इस एप के जरिए व्यक्ति राजनैतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, कपड़े, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं को स्वयं के वाहन से लाने-ले जाने, किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों या परिसर पर चुनाव प्रचार सामग्री चस्पा करने, लगाने या दीवार पर चुनावी विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायतें कर सकते हैं।

# रोड शो को दौरान चप्पे-चप्पे पर रहेगी कड़ी सुरक्षा

भोपाल (काप्र)।

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बुधवार शाम को भोपाल में होने वाले रोड शो को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता इंतेजाम किये गये है। निर्देश दिए। प्रदेश पुलिस के मुखिया डीजीपी सुधीर सक्सेना ने मंगलवार को वाले रोड शो के रूट का अधिकारियों के साथ भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।**

इससे पहले एक दिन पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों ने रोड शो की पूर्व रिहर्सल कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान बीडीएस एवं डाग स्क्वायड द्वारा पीएम के मार्ग के दोनों और के स्थानों पर चैकिंग की। गौरतलब है कि बुधवार शाम सवा 7 बजे से रात सवा 8 बजे तक प्रधानमंत्री

का रोड शो प्रस्तावित है। यह रोड शो मालवीय नगर स्थित एयरटेल तिराहे से प्रारंभ होकर अपेक्स बैंक तिराहे तक पहुंचेगा। इस पूरे मार्ग पर सड़क के दोनों तरफ बैरीकेटिंग की गई है। पीएम का कारकेड हेलीपैड से कार के माध्यम से पहुंचेगा। जिसके चलते रोड शो के अलावा एयरपोर्ट से लाल परेड मैदान तक सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये गये है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कार्यक्रम शुरू होने से करीब 4 घंटे पहले प्रस्तावित सहित अन्य मार्ग पूर्णत: बंद कर दिये जाएगें।

दोपहर 3 बजे से रोड शो वाला मार्ग वाहनो के लिये पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। कार्यक्रम में शामिल होने कार्यकताओं को पैदल जाने दिया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था की कमान दो दर्जन से अधिक आईपीएस अधिकारियों को सौंपी गई है। इसके साथ ही करीब दो हजार पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानो की तैनाती की गई है। पीएम के आने-जाने वाले रास्तो पर स्थित हाईराईज इमारतो पर सुरक्षा जवान तैनात रहेंगे और ड्रोन कैमरों से लगातार नजर भी रखी जाएगी।

# विश्वविद्यालयों में धांधली के खिलाफ एनएसयूआई ने खोला मोर्चा

## प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए पुलिस कमिश्नर को लिखा पत्र

**भोपाल (काप्र)।** लोकसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री बुधवार को भोपाल के दौरे पर रहेंगे। इसी बीच एनएसयूआई नेता रवि परमार ने भोपाल पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कर प्रधानमंत्री से मुलाकात करवाने का आग्रह किया है वहीं पत्र में मध्यप्रदेश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में व्याप्त घोटालों का जिक्र भी किया है।

रवि परमार ने पत्र में लिखा हैं कि भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन मेडिकल विंग का प्रतिनिधित्व मंडल प्रधानमंत्री से भोपाल आगमन पर मुलाकात कर मध्यप्रदेश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में व्याप्त घोटाले की शिकायत सौंपना चाहता है। परमार ने पुलिस कमिश्नर से आग्रह करते हुए लिखा है कि प्रधानमंत्री से मुलाकात करवाने की कृपा करें जिससे कि मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं घोटाले की जानकारी प्रधानमंत्री के संज्ञान में ला सकें। रवि परमार ने बताया कि मध्यप्रदेश की एकमात्र मेडिकल विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर और एकमात्र तकनीकी विश्वविद्यालय आरजीपीवी विश्वविद्यालय के साथ-साथ कई विश्वविद्यालयों में बड़े घोटाले हुए हैं। लेकिन आरजीपीवी के अलावा किसी और विश्वविद्यालय में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। वहीं आरजीपीवी मामले में भी बड़े अधिकारियों को बचाने के लिए सरकार द्वारा लीपापोती की जा रही हैं। एनएसयूआई प्रधानमंत्री से मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों में हुए घोटालों की ईओडब्ल्यू से जांच करवा कर दोषियों पर कार्यवाही की मांग करेंगे।

# शिप्रा के प्रदूषित जल में कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार ने लगाई डुबकी

भोपाल (काप्र)।

**शिप्रा नदी में गंदे नाले का पानी मिलाने के विरोध में कांग्रेस उम्मीदवार महेश परमार नदी में बहने वाले नाले के पानी में बैठ गए। उन्होंने नदी में डुबकी भी लगाई।**

इस दौरान महेश परमार ने कहा कि पिछले 20 साल से मध्य प्रदेश में और 10 साल से देश में भाजपा की सरकार है। लगातार सालों से इनके सांसद, विधायक और महापौर हैं। भाजपा और शासन प्रशासन के लोग हमें कलंकित कर रहे हैं। 500 करोड़ खर्च करने के बाद भी ये स्थिति है फिर से 600 करोड़ का नया बजट आया है। हमारे भाजपा के सांसद पिछले 5 साल में यहां एक बार भी नहीं आए हैं। धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले लोग कहां हैं? 40-50 लाख इंदौर वासियों का मल मूत्र रोज इसमें मिलता है।'

महेश परमार ने कहा कि शिप्रा मां अशुद्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने शिप्रा मां को शुद्ध करने की शपथ ली थी। टिकट मिलने पर डुबकी लगाई थी। 600-1000 करोड़ खर्च हो गए। बात सनातन, महाकाल और प्रभु श्रीराम की करते हैं, मां शिप्रा को शुद्ध नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि जब कमलनाथ सरकार थी, तब शनिचरी अमावस्या के स्नान के दिन गलती पर संभागायुक्त और कलेक्टर को हटाया था, कर्मचारियों पर बड़ी कार्रवाई की थी। मुख्यमंत्री दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाइए। बता दें, 2019 में शनिचर अमावस्या पर शिप्रा में गंदा पानी मिलने पर तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कलेक्टर और कमिश्नर दोनों को हटा दिया था। पीएचई के असिस्टेंट इंजीनियर एनके भास्कर का कहना है कि गंदा पानी नहीं है। पीने के पानी की पाइपलाइन लीकेज हुई है। यही पानी ओवरफ्लो हुआ है। कचरा और बदबूदार पानी के सवाल पर उन्होंने कहा कि हल्का सा कचरा है। उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह की ओर से प्रेस नोट जारी किया है। कहा गया है कि पानी गंभीर नदी की पाइपलाइन का है। विधायक ने कलेक्टर की शिकायत निर्वाचन आयोग से करने की बात कही है।

# 5वीं-8वीं के नतीजे जारी, लड़कियों ने मारी बाजी

## कक्षा पांचवीं का 90.97 और आठवीं में 87.71 प्रतिशत पास

भोपाल (काप्र)।

**मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एमपीबीएसई) ने कक्षा 5वीं और 8वीं के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। कक्षा आठवीं का परीक्षा परिणाम 87.71 प्रतिशत रहा है, वहीं कक्षा पांच का परीक्षा परिणाम 90.97 प्रतिशत रहा। कक्षा पांच में 89.62 प्रतिशत बालक और 92.41 प्रतिशत बालिकाएं उत्तीर्ण हुई हैं। वहीं, कक्षा आठ में बालकों का पास प्रतिशत 85.94 प्रतिशत और बालिकाओं का 89.56 प्रतिशत रहा।**

कक्षा पांच की बात करें तो सरकारी स्कूलों का पास प्रतिशत 91.53 प्रतिशत रहा, जबकि प्राइवेट स्कूलों में 90.18 प्रतिशत बच्चे ही पास हुए। मदरसे में 73.26 प्रतिशत बच्चे ही पास हो सके। कक्षा आठ की बात करें तो सरकारी स्कूलों का पास प्रतिशत 86.22 प्रतिशत रहा, जबकि प्राइवेट स्कूलों में 90.60 प्रतिशत बच्चे पास हुए। मदरसों का पास प्रतिशत 67.40 प्रतिशत ही रहा।

**ग्रामीण स्कूलों का रिजल्ट बेहतर :** ग्रामीण और शहरी स्कूलों की तुलना करें तो पांचवीं और आठवीं में ग्रामीण स्कूलों का प्रदर्शन शहरी स्कूलों से बेहतर रहा है। कक्षा पांचवीं में ग्रामीण स्कूलों में पास प्रतिशत 92.60 प्रतिशत रहा, जबकि शहरी स्कूलों में 86.19 प्रतिशत बच्चे ही पास हुए हैं। इसी तरह आठवीं कक्षा में ग्रामीण स्कूलों के 88.35 प्रतिशत बच्चे पास हो गए। वहीं, कक्षा आठवीं में शहरी स्कूलों में 86.04 प्रतिशत बच्चे ही पास हुए।

**5वीं में ये जिले टॉप 10 में :** नरसिंहपुर, डिंडोरी, मंडला, अनुपपुर, अलीराजपुर, छिंदवाड़ा, सीहोर, झाबुआ, शहडोल, बुरहानपुर

**8वीं में ये जिले टॉप 10 में :** नरसिंहपुर, अलीराजपुर, झाबुआ, सीहोर, अनूपपुर, बड़वानी, डिंडोरी, मंडला, छिंदवाड़ा, बुरहानपुर।

# वित्त नियंत्रक को भेजा रिमांड पर पत्नी की याचिका निरस्त

भोपाल (काप्र)।

**राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में करोड़ों के घोटाले के मामले में आरोपी वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा को विशेष न्यायाधीश ने 25 अप्रैल तक की पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया है। उधर उनकी पत्नी सीमा वर्मा का जमानत आवेदन निरस्त कर दिया गया है।**

ऋषिकेश वर्मा ने नाटकीय ढंग से सोमवार को जिला कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उधर एसआईटी ने गत शुक्रवार को सीमा को चिनार उपवन दानिश नगर से गिरफ्तार किया था। घोटाले में तत्कालीन रजिस्ट्रार राकेश सिंह राजपूत फरार हैं। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश रामप्रसाद मिश्र के न्यायालय में चल रही है। इस दौरान सीमा वर्मा की जमानत याचिका पर उनके वकील ने दलील दी कि सीमा राजधानी के राजा भोज शासकीय स्कूल में शिक्षिका हैं। उनका आरजीपीवी विश्वविद्यालय से कोई संबंध नहीं है। उनके पति ऋषिकेश वर्मा आरजीपीवी विश्वविद्यालय में कार्यरत थे। मामले के सह अभियुक्त मयंक कुमार द्वारा सीमा के अकाउंट में 19 लाख रुपये की राशि डाली गई है, जबकि मयंक कुमार की उसके पति ऋषिकेश वर्मा से कार्यालयीन कार्य के दौरान भेंट हुई थी। मयंक कुमार ने अपने बैंक के वित्तीय वर्ष का लक्ष्य पूरा करने के लिए अकाउंट खोलने का निवेदन किया गया, जिस पर ऋषिकेश वर्मा ने आरबीएल बैंक में अकाउंट खोलने के लिए आरोपित सीमा का 21 हजार रुपये का चेक मयंक कुमार को दिया था और उसकी जानकारी के बिना 19 लाख रुपये इस अकाउंट में जमा कराए, जिसकी जानकारी कभी नहीं हो पाई। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि सीमा वर्मा उच्च रक्त चाप एवं अस्थमा की मरीज हैं। इस पर अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक पीएन राजपूत ने आपत्ति जताई और कहा कि मामला व्यापक है। गबन की संपूर्ण राशि का पता नहीं चला है। इसलिए आरोपित सीमा जमानत पर छोड़े जाने की दशा में साक्ष्य को प्रभावित कर सकती हैं। आरजीपीवी घोटाले की जो राशि मयंक कुमार के खाते में ट्रांसफर की गई थी, उसी से सीमा वर्मा के नाम पर 20 लाख रुपये की एफडी बनाई गई थी। घोटाले की जांच में उनका भी नाम सामने आया है। उनके नाम एक्सिस बैंक में 20 लाख रुपये की एफडी बनाई गई थी। एक्सिस बैंक में एफडी कैश कराने के बाद वहां से डीडी बनाकर आरबीएल बैंक में जमा किया गया और 13 मार्च को सीमा के नाम से 20 लाख रुपये की एफडी बनी थी। बता दें कि आरजीपीवी में 19.48 करोड़ रुपये की आर्थिक अनियमितताओं के मामले में गांधी नगर पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस मामले में एसआइटी ने पूर्व कुलपति सुनील कुमार, एक्सिस बैंक के ब्रांच मैनेजर रामकुमार रघुवंशी, दलित संघ सोहागपुर के कार्यकारिणी सदस्य सुनील रघुवंशी और मयंक कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

### हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को जांच के लिए निः शुल्क परिवहन

भोपाल (काप्र)। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को जांच के लिए अस्पताल लाने एवं घर छोड़ने की सुविधा 108 एंबुलेंस के माध्यम से दी जाएगी। यह सुविधा एक्सटेंडेड प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत नि:शुल्क दी जाएगी। गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान में गर्भावस्था की दूसरी एवं तीसरी तिमाही की महिलाओं की जांच कर हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन किया जाता है।

अभियान के तहत 25 अप्रैल को स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वास्थ्य परामर्श एवं जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जागरूकता एवं जांच शिविरों में गर्भावस्था के गंभीर लक्षणों की जानकारी भी दी जाएगी। एक्सटेंडेड प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में उच्च जोखिम के लक्षणों वाली गर्भवती महिलाओं की जांच, परामर्श, उपचार, पैथोलॉजी जांच, सोनोग्राफी जांच की जाती है।

# सिंधिया ने नुक्कड़ सभा को किया संबोधित

भोपाल (काप्र)

**केन्द्रीय मंत्री व गुना से लोकसभा प्रत्याशी श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिछोर विधानसभा क्षेत्र के मायापुर, मुहासा व अन्य गांवों में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अबकी बार 400 पार का नारा देश का मिशन बन गया है।**

देश में तीसरी बार जनता की मदद से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने वाली है। गुना लोकसभा क्षेत्र की भी बड़ी भूमिका रहने वाली है। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि देश में हो रहे विकास कार्य बताते हैं कि किस तरह से भाजपा की डबल इंजन सरकार ने हर वर्ग की चिंता की है। नुक्कड़ सभा के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने हर वर्ग का ध्यान रखा है। आज किसान हो या महिला या कोई गरीब हो या युवा सबको विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और अवसंरचना विकास से लाभ मिल रहा है। सभा के दौरान श्री सिंधिया ने सभी क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि वह 7 मई को घरों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में निकलकर मोदी जी के हाथों को मजबूत करते हुए कमल के चिंह पर अपने वोट का बटन दबाएं और भाजपा को जिताएं। इस वोट से अपने लोकप्रिय प्रधानमंत्री मोदी जी के हाथों को मजबूत करें। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि मध्य प्रदेश में डबल इंजन सरकार का फायदा मिल रहा है।

### सांसद प्रज्ञा ठाकुर के खिलाफ ग्रामीणों ने की नारेबाजी

**भोपाल (काप्र)। सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह के खिलाफ मंगलवार को जमकर नारेबाजी हुई। मामला नयापुरा में आश्रम बनाने के लिए जमीन को लेकर है।**

प्रज्ञा सिंह ने नेवरी के पास नयापुरा में आश्रम बनाने के लिए जमीन ली है। वे सोमवार को रात करीब 9 बजे कुछ लोगों के साथ जमीन पर कब्जा लेने के लिए पहुंचीं। गांव वालों के अनुसार उनके साथ एक जेसीबी भी थी। साध्वी ने मौके पर खड़े रहकर जमीन पर कब्जा लिया और इसके लिए गांव के पुराने श्मशान घाट की बाउंड्रीवॉल तोड़ दी। इस पर ग्रामीण नाराज हो गए और उन्होंने पुलिस को भी मामले की शिकायत की है। एफआईआर दर्ज करने की मांग की हंगामा बढ़ने पर निशातपुरा थाने के टीआई रूपेश दुबे मौके पर पहुंचे। इसके बाद ग्रामीण थाने पहुंचे और उन्होंने प्रज्ञा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। वहीं इस बारे में निशातपुरा थाना प्रभारी रुपेश दुबे ने बताया कि कुछ ग्रामीणों ने इस संबंध में शिकायत की है, इसमें कहीं भी सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर का नाम नहीं है, मामला राजस्व से जुड़ा हुआ है। इसलिए हमने राजस्व को यह मामला फॉरवर्ड किया है।